वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 94 | रविवार 28 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

छात्रसंघ चुनाव होने चाहिएं, लीडरशिप डेवलप होती है: देवनानी

जब नेहरू प्रधानमंत्री थे, सब शांति से विपक्ष को सुनते थे; अब संसद का लेवल वैसा नहीं

जयपुर. कासं

विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने छात्रसंघ चुनाव करवाए जाने का समर्थन किया है। विधानसभा में हुई युवा संसद के दौरान स्पीकर देवनानी ने कहा- आपके छात्रसंघ के भी चुनाव होते हैं। पहले छात्रसंघ के चुनाव बड़े आदर्श के रूप में होते थे, लेकिन आज धीरे-धीरे उसमें कमियां आती जा रही है। ये होने चाहिए, क्योंकि इससे लीडरशिप डेवलप होती है, लेकिन इसमें जो कमियां आ रही है। यूथ जिस तरह इन्वॉल्व हो रहा है। कहीं न कहीं विचार करने की आवश्यकता है। देवनानी का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब सरकार ने छात्र संघ चुनावों को लेकर आधिकारिक तौर पर अपना रुख साफ नहीं किया है। हाल ही में सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी वार्षिक कैलेंडर में छात्र संघ चुनावों का जिक्र जरूर है, लेकिन चुनाव और तारीखों पर कोई फैसला नहीं हुआ है। स्पीकर वासुदेव देवनानी के बयान ने सियासी हलकों में चर्चा जरूर छेड़

दी है। देवनानी ने कहा- इस समय हमारा सिस्टम धीरे-धीरे नीचे की ओर जा रहा है। मुझे पार्लियामेंट की पहले की बातें ध्यान में हैं। उस वक्त बहुत छोटा था, जब नेहरू जी प्रधानमंत्री थे। विपक्ष का कोई व्यक्ति चाहे श्यामा प्रसाद मुखर्जी बोलते थे, जय प्रकाश जी बोलते थे, महावीर त्यागी बोलते थे तो सब शांति से उनकी बातों को सुनते थे। अच्छी बातें होती थीं। पार्लियामेंटेरियन सिस्टम यही है कि सरकार एग्जीक्यूट करे। विपक्ष का काम है ध्यान आकर्षित करना और सुझाव देना, ताकि हम सब लोग मिलकर राज्य और देश की जनता की सही ढंग से सेवा कर सकें। समस्याओं का निदान कर सकें।

विरोध के लिए विरोध और समर्थन के लिए समर्थन से लोगों में लोकतंत्र के प्रति आस्था कम

देवनानी ने कहा- मुझे भी कई बार पीड़ा होती है। पार्लियामेंट और विधानसभा का लेवल धीरे-धीरे वैसा नहीं दिख रहा, जैसा पहले दिखाई देता था। दोनों पक्षों को एक दूसरे का सम्मान करना, भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। केवल विरोध के लिए विरोध और समर्थन के लिए समर्थन दोनों बातें लोकतंत्र में आई है। उसके कारण से लोगों की लोकतंत्र के प्रति आस्था में प्रश्न चिन्ह दिखाई देता है।

भारत के लोकतंत्र में संविधान को कोई खत्म नहीं कर सकता

देवनानी ने कहा- व्यक्ति का नहीं, हम जिस दायित्व पर बैठे हैं, उसका सम्मान है। देश में कई बार सुनता हूं, नेता कहते हैं कि संविधान को समाप्त कर दिया जाएगा। मैं संवैधानिक पद पर होते हुए कह सकता हूं कि इस देश में संविधान कोई समाप्त कर नहीं सकता। चाहे कितने भ्रम फैलाए जाएं संविधान को कोई हटा नहीं सकता। यह हमारी शक्तियों का केंद्र है। जो भी कहता है संविधान समाप्त होगा, मैं स्पष्ट शब्दों में कह देता हूं भारत के लोकतंत्र में संविधान को कोई समाप्त नहीं कर सकता। राजस्थान की 5 बड़ी यूनिवर्सिटी में पिछले 10 साल के छात्रसंघ चुनावों का रिकॉर्ड देखें तो जयपुर और कोटा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) पिछले 5 साल से अध्यक्ष पद पर खाता तक नहीं खोल पाई है। जोधपुर में भी एबीवीपी के हालात ठीक नहीं हैं।

राज्यपाल ने संविधान पार्क का किया लोकार्पण

बोले-विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति के तहत प्राचीन और नवीन ज्ञान का समन्वय करते हुए हों कार्य

जयपुर. कासं

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि नई शिक्षा नीति के आलोक में विश्वविद्यालय प्राचीन और नवीन ज्ञान का समन्वय करते हुए संस्कृत और संस्कृति के प्रसार के लिए कार्य करे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है। सामूहिकता के भाव में कहीं कोई भेद नहीं होता। इसे समझते हुए शिक्षा के जरिए आत्मनिर्भर भारत के लिए भी सब मिलकर कार्य करें। मिश्र शनिवार को जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत में योग, विज्ञान, शास्त्र, भारतीय संस्कृति, संस्कार से जुड़ी शिक्षा दी जाती है। व्यक्तित्व निर्माण के लिए इसी शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता रहती है। यह शिक्षा यदि कहीं मिलती है तो उसको आगे बढ़ने से कोई

रोक नहीं सकता। समारोह में नई दिल्ली स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी और स्वामी रामभद्राचार्य को डीलिट की मानद उपाधि दी गई। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें कौशल विकास के साथ भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़े ज्ञान के आधुनिकीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति प्राचीन और नवीन ज्ञान के समन्वय का आधार लिए है। विश्वविद्यालयों को नई शिक्षा नीति की इस पहल को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। राज्यपाल ने संविधान को सर्वोच्च बताते हुए उसके सभी भागों से पूर्व मूल प्रति पर उत्कीर्ण चित्रों की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्रकट होती है। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल प्रति में शांतिनिकेतन के आचार्य नंदलाल बोस ने तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के आग्रह पर जो चित्र उकेरे उनमें भगवान श्रीराम सीता संग अयोध्या लौट रहे हैं। भगवान श्रीकृष्ण-अर्जुन को गीता के जरिए कर्म का संदेश दे रहे हैं। यह चित्रकारी भारत के उदात्त जीवन मूल्यों और परंपराओं से हमें जोड़ती है। उन्होंने राष्ट्र को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि सभी देवों की समग्र शक्ति दुर्गा है। उन्होंने सामूहिकता के भाव, संस्कृति आदि की भी विषद चर्चा की। उन्होंने राजभवन में निर्मित संविधान पार्क की चर्चा करते हुए कहा कि इसके जरिए संविधान की संस्कृति को जीवंत करने का प्रयास किया गया है। मिश्र ने स्वामी राम भद्राचार्य को आत्म विश्वास का साक्षात स्वरूप बताते हुए कहा कि दीक्षांत की भारतीय परंपरा की जो व्याख्या उन्होंने की है, वह विरल है।

श्री महावीर कॉलेज में महावीर सिविल सर्विसेज एकेडमी द्वारा

''सिविल सेवा परीक्षा में सफलता कैसे प्राप्त करें'' पर सेमीनार का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा श्री महावीर कॉलेज में शनिवार 27 जुलाई को महावीर सिविल सर्विसेज एकेडमी द्वारा ₹सिविल सेवा परीक्षा में सफलता कैसे प्राप्त करें₹ पर सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महोदय आई ए एस अभिषेक सुराणा कमिश्नर नगर निगम हेरिटेज, आर ए एस मनीष गोयल जॉइंट सेक्रेटरी एजुकेशन, शिक्षा परिषद अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, संयुक्त सचिव कमलबाबू जैन, मनीष बैद, विनोद

कोटखावदा, प्रोफेसर अमला बत्रा पूर्व प्राचार्य महारानी कॉलेज, नितिन कासलीवाल एवं श्री महावीर कॉलेज के प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान श्री महावीर स्वामी की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यो ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। परिषद् के मानद मंत्री सुनील बख्शी ने बताया की इस एकेडमी के माध्यम से न सिर्फ कॉलेज के छात्र-छात्राएं लाभ प्राप्त करेंगे बल्कि कॉलेज के बाहर के विद्यार्थीयों को प्रशासनिक सेवा में अपना भविष्य बनाने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया तथा बताया कि इस एकेडमी से विद्यार्थी पढ़ने का तरीका समझेंगे एवं उससे लाभान्वित होंगे।एकेडमी के संयोजक नितिन कासलीवाल ने बताया कि इस एकेडमी में आई ए एस, आर ए एस, कैट, एस एस सी, बैंक पीओ एवं अन्य कॉमपिटेटीव एग्जाम्स की तैयारी वरिष्ठ एवं अनुभवी अध्यापकों द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। आयोजन के अतिथि आई ए एस अभिषेक सुराणा ने विद्यार्थियों से संवाद कर बताया की जीवन में सफलता त्याग एवं कड़ी मेहनत से प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों को अपनी रूचि के अनुसार विषय का चयन करने की सलाह दी एवं मोबाईल के द्वारा व्यर्थ हो रहे समय से छात्रों को अवगत कराया। आर ए एस मनीष गोयल ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रशासनिक परीक्षा में किन किन बातो को ध्यान में रखना चाहिए जिससे कम समय में आवश्यकता के अनुसार तैयारी की जा सके। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्य ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। -**डा. आशीष गुप्ता प्राचार्य**

जयपुर से गये 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल के यात्रियों ने बावनगजाजी में किये भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा

सनावद में आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ से लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर से गुरुवार 25 जुलाई को श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ के तत्वावधान में संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं यात्रा के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में रवाना हुए 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल में शामिल यात्रियों ने शनिवार को बावनगजाजी में प्रातः सामूहिक रूप से पर्वत वन्दना की । 800 सीढियाँ चढकर यात्री पर्वत पर पहुचे। तत्पश्चात केसरिया वस्त्र पहने पुरुष यात्रियों द्वारा भगवान आदिनाथ की खडगासन प्रतिमा के अभिषेक किये ।शांतिधारा का पुण्यार्जन अमर चन्द दीवान खोराबीसल परिवार ने किया। इस मौके पर आसपास का वातावरण भगवान

आदिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महिलाओं ने पीले की साड़ी पहने हुए भक्ति की। पर्वत से नीचे उतर कर यात्रियों ने प्रातःकालीन भोजन का आनन्द उठाया। तत्पश्चात रवाना होकर दोपहर में यात्रा दल ऊन (पावागिरी) पहुचा जहां तीर्थक्षेत्र के दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए सायंकाल सनावद पहुचे जहां यात्रियों ने दिगम्बर जैन स्वर्ण मंदिर (गोल्डन टेम्पल) में भगवान महावीर की श्याम वर्ण प्रतिमा के दर्शन लाभ प्राप्त किए। तत्पश्चात क्षेत्र पर प्रवासरत आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सायंकालीन भोजन के बाद यात्रा दल सिद्धवरकूट पहुंचा जहां दर्शन के बाद सामूहिक महाआरती की गई। इस मौके पर सुभाष चन्द जैन, अमर चन्द दीवान खोराबीसल, सूरेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, सलिल जैन, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, मैना बाकलीवाल, देवेन्द्र गिरधरवाल, विक्रम जैन, शकुंतला पाण्डया, ऊषा दीवान,मीना चौधरी आदि ने भजनों पर भक्ति नृत्य किये। संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा दल ने रात्रि में इन्दौर के ढाई द्वीप मंदिर पहुंचकर रात्रि विश्राम किया।

211 मंगल कलशो की स्थापना करेंगे आचार्य शशांक सागर जी

महावीर कथा का आयोजन वरुण पथ पर सोमवार से

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज मुनिश्री 108 संदेश सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित विशाल धर्म सभा को मैं अपना मंगल आशीर्वाद देते हुए पूज्य गुरुदेव ने कहा कि सत्संग करने से मनुष्य को अपने जीवन में दुख और कर्म काटने का मार्ग मिलता है वर्तमान में मनुष्य के जीवन में भटकाव के अलावा कुछ भी नहीं है क्योंकि जब तक वह संतों की शरण में नहीं जाएगा उसका सही मार्ग प्रशस्त हो ही नहीं सकता इसलिए बांधो बंधु ऑन अपने जीवन में गुरु के रिक्त पड़े स्थान को भरने की आवश्यकता है क्योंकि जब तक आपके जीवन में गुरु नहीं होगा आपका जीवन शुरू भी नहीं होगा परम पूज्य आचार्य शशांक सागर जी महाराज ने कहा कि अपने जीवन की दुख और कर्मों को काटने के लिए सही रास्ते और सही दिशा की आवश्यकता है वह केवल आपको संत ही बता सकते हैं इसलिए हम सोमवार 29 जुलाई 2024 से भारत वर्ष में प्रथम बार महावीर कथा का आयोजन करने जा रहे हैं निश्चित रूप से भगवान महावीर के जीवन दर्शन से आपके जीवन का कल्याण होगा ऐसा मेरी साधना कहती है। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि 28 जुलाई 2024 को दोपहर 12:15 बजे विधिपूर्वक झंडारोहण के पश्चात विशाल शोभा यात्रा के रूप में गुरुदेव कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे जहां पर पूज्य गुरुदेव के पावन सानिध्य में 211 रजत कलशो की स्थापना की जाएगी। समाज समिति के उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी ने बताया कि कलश स्थापना से पूर्व श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में सुरेंद्र जी माया जी आयुष लीना भाविका वैदेही जैन परिवार द्वारा झंडारोहण कर शुभारंभ किया जाएगा । इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल गायत्री भवन में भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य ओमप्रकाश रेखा विनय ओनल मनीत जैन बडजात्या परिवार को प्राप्त हुआ है

। परम पूज्य गुरुदेव का पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य मानक चंद कांता देवी मुकेश अनीता नितिन गरिमा बडजात्या परिवार लालसोट वालों को प्राप्त हुआ। पूज्य गुरुदेव को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य विजय कुमार आशा विराट मीनू गुमान दीवान परिवार को प्राप्त हुआ है। भगवान महावीर के चित्र अनावरण करने का सौभाग्य संजय शीला शक्ति अपूर्व नेहा विपिन एवं समस्त काला परिवार को प्राप्त हुआ है। समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि राजू ग्राफिक के सं संदीप शाह को परम पूज्य गुरुवर के 24 में चातुर्मास के पोस्टर का विमोचन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज समिति के प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि आज की धर्म सभा का विधिवत्त शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर करने का सौभाग्य महेंद्र जैन बांदीकुई वालों को प्राप्त हुआ इस अवसर पर श्रीमती अंजू जैन श्रीमती अनीता लुहाड़िया ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी।

संकल्प के साथ ही जीत संभव है : प्रणम्य सागर

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से जयपुर में पहली बार हो रही जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ कथा

जयपुर. शाबाश इंडिया। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन भवन पर चल रही पार्श्वनाथ कथा में शनिवार को मुनिश्री ने कहा कि जिस तरह से आयुहीन प्राणी को दवा नहीं लगती है, वैसे ही रागी और कामी व्यक्ति को कोई उपदेश नहीं लगते हैं। वह तो अपने राग द्वेष एवं काम वासना में ही मशगूल रहता है। मुनि श्री ने कहा कि जीव के पतन होने के दो कारण हैं, पहला इन्द्रिय विषयों पर तथा दूसरा काम भाव पर नियंत्रण नहीं होना। संकल्प के साथ ही इन दोनों को जीता जा सकता है। अतः जीवन में मनुष्य को संकल्प के साथ जीना चाहिए। इस मौके पर मुनिश्री ने पंच मुद्रा का अभ्यास भी कराया। पार्श्वनाथ की कथा श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढ़ाया गया। इस मौके पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मधुवन कालोनी के उपाध्यक्ष दिलीप कासलीवाल ने आचार्य विद्यासागर एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। तत्पश्चात मुनि श्री के पाद प्रक्षालन एवं मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर पुण्यार्जन किया । इस मौके पर मुनि भक्त श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, उपाध्यक्ष उत्तम चन्द पाटनी, संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी व पूरी कार्यकारिणी समिति ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद

प्राप्त किया। संचालन विमल जैन ने किया। संगठन मंत्री अशोक सेठी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार 28 जुलाई को प्रातः 8.15 बजे श्री वर्धमान पूजा विधान का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि मुनि श्री ससंघ का 27 वां पावन वषायोग मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार 28 जुलाई को दोपहर 1.00 बजे से मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर होगा। इस मौके पर चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण, पाद पक्षालन, शास्त्र भेंट एवं मंगल कलशों की स्थापना की जाएगी। अन्त में मुनि श्री के मंगल प्रवचन होगें। आयोजन में जयपुर, दिल्ली, ग्वालियर, आगरा, झांसी, खजुराहो सहित पूरे देश से बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल होंगे।

वेद ज्ञान

सत्य का पालन

सत्य का पालन करना ही संतत्व का मुख्य गुण है। संतत्व के लिए गृह-त्याग की आवश्यकता नहीं होती है, बल्कि सच्चा संत वही है जिसके व्यवहार, बोलचाल और विचारों में सच्चाई हो। फिर चाहे वह धर्म क्षेत्र में हो या फिर सामाजिक जीवन व्यतीत कर रहा हो। संत किसी दूसरे से गलत बोलने या व्यवहार करने से पहले उसके स्थान पर खुद को रखता है और यह मनन करता है कि जब गलत बोलने या व्यवहार से उसके स्वयं के मन को ठेस लगती है तो निश्चित तौर पर ऐसा आचरण किसी को भी अच्छा नहीं लगेगा। ऐसा सोचते ही वह दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करने लगता है, जैसा वह दूसरों से अपने अपने लिए चाहता है। कहा गया है कि किसी व्यक्ति ने चाहे कितने ही शास्त्र क्यों न पढ़े हों, लेकिन जब तक वह शास्त्रों में दिए गए ज्ञान को अपने आचरण में नहीं उतारता है तो उसका शास्त्र पढ़ने का कोई फायदा नहीं है, क्योंकि सबसे बड़ा ज्ञान व्यावहारिक ज्ञान है। संतत्व का एक गुण क्षमाशीलता भी है। दूसरों के गलत सोचने-बोलने-करने के बावजूद यदि मनुष्य उसके साथ पूरी सहनशीलता के साथ सद्भाव रखे तो यही क्षमाशीलता है। संत सभी के प्रति समान भाव रखता है, क्योंकि वह हर प्राणी में ईश्वर को देखता है। इसलिए उस पर किसी भी तरह के व्यवहार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। संतत्व का यह विशेष गुण है कि जब उसका मान-सम्मान होता है तो उसे अभिमान नहीं होता और जब कभी उसका अपमान हो तो भी वह अहंकार नहीं करता। प्रत्येक परिस्थिति में उसकी वाणी, विचार और व्यवहार एक समान रहते हैं। इसी तरह दया भी संतत्व का एक विशेष गुण है। दयालुता मनुष्य को सरल और निस्वार्थ बनाए रखती है। दयालु व्यक्ति मानवता का सम्मान करता है। इसलिए दूसरों के कष्टों को देखकर उसे भी कष्ट महसूस होता है और वह अपने उपलब्ध संसाधनों से उनके कष्टों को दूर करने का प्रयास करता है। इस तरह वह समस्त प्राणी जगत से जुड़ जाता है और उसे दूसरों से आंतरिक प्रेम और सद्भाव प्राप्त होता है। ऐसे लोगों में कभी भी विचार-हीनता या कठोरता नहीं आती है। संत लोभ, लालच और इच्छा से हमेशा दूर रहता है और जो व्यक्ति लोभ-लालच करता है, वह संतत्व को कभी प्राप्त नहीं कर सकता।

संपादकीय

दूसरों की जिंदगी के प्रति इतना बेफिक्र होना सही नहीं

सड़क हादसों में ज्यादातर की वजह कुछ वाहन चालकों की ऐसी लापरवाही होती है, जिसमें इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि अन्य व्यक्ति के जीवन का भी कोई मोल है। यह सही है कि बहुत सारे लोग सड़क पर सावधानी और जिम्मेदारी से वाहन चलाते हैं और इस तरह वे सड़क पर सफर कर रहे अन्य लोगों के साथ-साथ अपनी जिंदगी की भी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। मगर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो शायद

यह मान कर चलते हैं कि उनके लिए दूसरों के जीवन की कोई अहमियत नहीं है। दिल्ली से सटे नोएडा में बुधवार की रात तीन लोग सड़क के किनारे सो रहे थे, तब एक वाहन चालक उन तीनों को बुरी तरह कुचल कर फरार हो गया। उनमें से दो की मौत हो गई, तीसरा बुरी तरह घायल हो गया। इतना तय है कि हादसे के शिकार लोगों के पास शायद फिलहाल वही ठिकाना था और वे सड़क किनारे की किसी जगह को सुरक्षित मान कर वहां सो रहे थे। अगर किसी बेलगाम वाहन ने उन्हें कुचल डाला, तो इसे चालक की आपराधिक लापरवाही ही कहा जाना चाहिए। निश्चित रूप से सड़कों के किनारे आसपास की जगहें सोने के लिए नहीं होती हैं और वहां हमेशा जोखिम बना रहता है। मगर एक समस्या यह है कि महानगरों में रोजी-रोटी की तलाश में आए किसी व्यक्ति के पास अगर पैसे

का अभाव या किसी मजबूरी की वजह से रहने का ठिकाना नहीं है, तो उसे कई बार सड़कों के किनारे या फुटपाथों पर सोना पड़ जाता है। सरकार की ओर से घोषित तौर पर रैन बसेरे जैसी व्यवस्था है, लेकिन या तो वह बेघर लोगों की संख्या के लिहाज से अपर्याप्त है या फिर इस कदर कुव्यवस्था का शिकार है कि वहां ज्यादातर लोग नहीं जाना चाहते। अक्सर ऐसे हादसों की खबरें आती रहती हैं, जिनमें किसी वाहन चालक की लापरवाही की वजह से फुटपाथ पर सो रहे लोगों की कुचल कर मौत हो गई। यह समझना मुश्किल है कि इस तरह वाहन चला रहे किसी व्यक्ति को कितनी हड़बड़ी और कैसी बेफिक्री होती है कि उसे सड़क पर मौजूद अन्य लोगों की जिंदगी और हालात की अहमियत समझना जरूरी नहीं लगता। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

खनिज पर हक

केंद्र और राज्यों के बीच करों के बंटवारे को लेकर कई बार विवाद उठ चुके हैं। केंद्रीय कर प्रणाली जीएसटी लागू होने के बाद भी कुछ चीजों पर करों और उपकरों के बंटवारे को लेकर सवाल उठते रहे हैं। खनिजों के स्वामित्व का प्रश्न भी उनमें एक है। केंद्र सरकार ने खनिजों पर कर और उपकर लगाना शुरू किया, तो कुछ कंपनियों और राज्य सरकारों ने इस पर सवाल उठाए। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने अब स्पष्ट कर दिया है खनिजों पर राज्य सरकारों का हक होता है। वे उनका पट्टा देने को स्वतंत्र हैं। इसके लिए किए गए करार की एवज में वे जो शुल्क प्राप्त करती हैं, उसे कर नहीं कहा जा सकता। वह रायल्टी की श्रेणी में आता है। रायल्टी को कर नहीं कहा जा सकता। इस फैसले से खासकर ओड़ीशा और झारखंड को बड़ी राहत मिली है। हालांकि करीब पैंतीस वर्ष पहले भी एक सीमेंट कंपनी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष यह मामला उठाया था कि केंद्र सरकार उससे उपकर नहीं वसूल सकती। तब अदालत ने कहा था कि खनिजों पर कर लगाने का अधिकार केंद्र सरकार को है। मगर दूसरे मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने करीब बीस वर्ष पहले उस फैसले को पलटते हुए कहा कि पुराना फैसला छापे की गलती से भ्रामक हो गया था। केंद्र को खनिजों पर कर लगाने का अधिकार नहीं है। अब नौ न्यायाधीशों की पीठ ने इस मामले पर बहुमत से फैसला दिया है कि खनिजों पर राज्य सरकारों का अधिकार है। दरअसल, यह मामला इसलिए उलझा हुआ था कि संविधान में केंद्र को खदानों के आबंटन से संबंधित सीमाएं तय करने का अधिकार केंद्र सरकार को दिया गया है। मगर जमीन, भवन आदि पर शुल्क लगाने का अधिकार राज्य सरकारों को है। इसलिए केंद्र सरकार खनिजों पर कर लगाने लगी थी। अब सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि खनिज राज्य सरकार की संपदा हैं, इसलिए वह उसके पट्टे की कीमत तय कर सकती है। अगर खनिजों पर भी केंद्र सरकार कर वसूलने लगेगी, तो राज्यों को अपनी विकास परियोजनाओं के लिए धन जुटाना मुश्किल हो जाएगा। इस फैसले के बाद राज्य सरकारें केंद्र द्वारा वसूला गया कर वापस दिलाने की गुहार लगा रही हैं। हालांकि इसका निपटारा किस प्रकार होगा, देखने की बात है। राज्य सरकारों में अक्सर इस बात को लेकर असंतोष देखा जाता है कि केंद्र को जिस अनुपात में उनसे राजस्व प्राप्त होता है, उस अनुपात में उन्हें बजटीय आबंटन नहीं मिलता। जबसे जीएसटी लागू हुआ है, राज्यों में अपने हिस्से का राजस्व प्राप्त करने के लिए संघर्ष उभरता रहा है। इस तरह कई राज्यों में विकास परियोजनाएं ठहर जाती हैं। जाहिर है, सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले के बाद उन राज्यों को अपना राजस्व जुटाने में काफी मदद मिलेगी, जहां खनिज पदार्थों की बहुलता है। ओड़ीशा, मध्यप्रदेश, झारखंड आदि राज्यों में कोयला, सीमेंट, लौह अयस्क, पेट्रोलियम आदि पदार्थों की खदानें हैं, मगर वे उनका पूरा लाभ नहीं ले पातीं, क्योंकि उन पर अभी तक केंद्र सरकार भी अपना हक जताती आ रही थी। यह ठीक है कि राज्यों से प्राप्त राजस्व से ही केंद्र सरकार पूरे देश की विकास परियोजनाओं में संतुलन कायम करती है, मगर उनकी आय के निजी स्रोत नहीं होंगे, तो वे केंद्र के सामने हर वक्त याचक की मुद्रा में ही होंगी। इसलिए खनिज संपन्न राज्यों में कुछ बेहतरी की उम्मीद जगी है। मगर केंद्र को खनिजों के मनमाने दोहन पर नजर तो रखनी ही होगी।

अपनी प्रज्ञा को उत्कृष्ट बनाने के लिए पुरुषार्थ जरूरी है: आचार्यश्री पुष्पदंत सागर जी

पुष्पगिरी तीर्थ मालवांचल की शान बन गया: विजय धुर्रा

पुष्पगिरी तीर्थ. शाबाश इंडिया। अपनी प्रज्ञा को उत्कृष्ट बनाने के लिए सतत पुरुषार्थ की जरूर है यह मनुष्य जन्म कुछ करने के लिए मिला है आपके पास क्षमताएं हैं आपको मौका भी सौभाग्य से मिल गया फिर भी आप कुछ नहीं कर सकें तो आपका दुर्भाग्य ही है पहली वात तो सामान्यतः लोगों के पास क्षमताएं ही नहीं होती और क्षमता होने पर मौका नहीं मिलता फिर भी आप कुछ करने से परहेज कर रहे हैं सिर्फ इसलिए कि लोग क्या कहेंगे लोगो का तो कहना ही है नकारा व्यक्ति सिर्फ दूसरों पर उंगली उठा सकता है वह स्वयं कुछ नहीं कर सकता क्योंकि उसका दृष्टिकोण ही संकुचित होता चला जाता है उक्त आश्य केउद्गार पुष्प गिरि तीर्थ जिला देवास में आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

विशाल प्रतिमा ये दूर से ही व्यक्ति को आकर्षित करती है : विजय धुर्रा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि पुष्प गिरि तीर्थ मालवांचल की शान वनकर आज समाज के बीच प्रतिष्ठित हो रहा है परम पूज्य आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज ने नव तीर्थ के रूप में जैन समाज को एक अद्भुत रचना दी जहां पर्वत पर भगवान श्री पदम प्रभु स्वामी विघ्न हर चिंतामणि भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी की विशाल प्रतिमा ये सड़क मार्ग से भी श्राद्धालूओ को अपनी ओर आकर्षित करती है। भव्य अतिथि निवास पाहण की तीर्थ वंदना के साथ ही यहां की प्राकृतिक आवो हवा मन को अनुपम शान्ति प्रदान करती है।

अशोक नगर पधारने का निवेदन किया

इस दौरान तीर्थ पर विराजमान प्रभु के अभिषेक के साथ ही पांडूकशिला पर मंत्रोच्चार के साथ जगत कल्याण की कामना करते हुए शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य अशोक नगर जैन समाज मंत्री विजय धुर्रा संजय जैन कोलारस आंसू जैन उज्जैन अर्पित जैन सहित अन्य भक्तों ने प्राप्त किया इस दौरान आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज से अशोक नगर पधारने का निवेदन किया। पुष्प गिरि तीर्थ प्रेरणता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज ने कहा कि अशोक नगर समाज बहुत बड़ी समाज है इसे देश की अच्छी समाजों में स्थान मिला है संघ सहित हमारा प्रवास हुआ बुंदेलखंड समाज को समझना बहुत मुश्किल काम है आचार्य श्री सर्वे प्रथम सन उन्नीस सो छयासी और फिर सन उन्नीस सो अठानवे में अशोक नगर पधारे और अपना सान्निध्य समाज को प्रादान किया इस दौरान नव तीर्थ पुष्प गिरि तीर्थ बनाने के संकल्प के साथ मालवांचल से कानपुर के लिए विहार किया और फिर सने सने तीर्थ निर्माण का क्रम चलता रहा आज पुष्प गिरि तीर्थ मालवांचल शान वन गया है जो इन्दौर भोपाल राजमार्ग पर सोनकच्छ के निकट देवास जिले में स्थित है।

उपाध्यायश्री विहसन्त सागर जी महाराज

संयम धारण करने हेतु थोड़ा भी निमित्त मिल जाये तो कल्याण हो सकता है

आगरा. शाबाश इंडिया

मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का आगरा के कमला नगर स्थित डी ब्लॉक के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के आचार्य श्री विद्यासागर संत निलय में चल रहा है जिसमें 27 जुलाई को प्रातःकालीन धर्मसभा में प्रवचन में उपाध्याय श्री विहसन्त सागर जी ने कहा कि जैसे डूबते को तिनके का सहारा होता है, वैसे ही कोई संयम धारण करने का निमित्त मिल जाये तो भव से पार करा देता है।उन्होने एक जीवन्त किस्सा सुनाते हुए बताया कि कैसे करगुंआ झांसी मे एक स्वाध्याय शील बाबाजी कहने को मुनियों मे श्रद्धा नहीं थी, परन्तु बिमारी आने पर जब महाराज जी ने उन्हें सम्बोधन दीया, तो वही बाबाजी ने अंततः उन्हीं महाराज जी से जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर सल्लेखना पूर्वक समाधीमरण लिया। उन्होने कहा का न जाने किस भेष मे राम आ जायें, अतः त्यागीयो को सन्तपुरुषों का महात्माओं का कभी निरादर न करें धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने किया। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,जगदीश प्रसाद जैन, रोहित जैन अहिंसा,मनोज जैन बाकलीवाल, यशपाल जैन, कुमार मंगलम जैन, अनिल जैन, अंकुश जैन, नरेश जैन, अनिल रईस, शैलेंद्र जैन, शुभम जैन, संजय जैन, समस्त कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

श्रेष्ठ गुणस्थान पाने के लिए गुरू चरणों में समर्पित होकर करे साधना : आचार्य सुंदर सागर

सुख पाने के लिए सोच को बनाना होगा सकारात्मक: आर्यिका सुलक्षणमति

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। चातुर्मास में हमारा लक्ष्य गुरू चरणों में समर्पित होकर साधना करते हुए अपने गुण स्थान को उपर उठाना होना चाहिए जो जीवन के अंत में हमे मोक्षमार्ग की तरफ ले जाकर एक दिन मोक्ष के अनंत सुख की प्राप्ति करा सकती है। समपर्ण भाव के बिना साधना का सुख नहीं मिल सकता। जिसका मन संयम साधना में लग जाता है उसे फिर सांसारिक कार्यों में आनंद नहीं आता है। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वषायोग) प्रवचन के तहत शनिवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मोह एवं योग से हमारे भाव बनते है ओर वहीं दशा हमारा गुणस्थान होती है। हमारे भाव पावन ओर निर्मल रहे तो गुणस्थान उपर ले जाएंगे ओर यदि भाव मोह,कषाय,राग,द्वेष में ही लीन रहे तो गुणस्थान का पतन होकर हमारी दुर्गति हो जाएगी। गुणस्थान श्रेष्ठ होने पर जीवात्मा को सद्गति प्राप्त हो सकती है। आचार्यश्री ने कहा कि हम प्रवचन सुनने तो आते है लेकिन उन्हें आत्मसात करने का पूरा प्रयास नहीं करते है। जो प्राणी जिनवाणी को आत्मसात कर लेता है उसका यह भव ओर आने वाले भव भी सुधर जाते है। ऐसे में सभी को प्रयास करना चाहिए कि चातुर्मास में परमात्मा प्रभु के संदेश श्रवण करने का अवसर नहीं छोड़े। जिनवाणी सुनने का अवसर हमारी पुण्यवानी से ही प्राप्त होता है। प्रवचन में पूज्य आर्यिका माताजी सुलक्षणमति ने कहा कि संसार में प्रत्येक प्राणी खुद को दुःखी मानते हुए सुख पाने के लिए भागदौड़ कर रहा है जबकि सुख तो बाहरी जगत में नहीं बल्कि अपने भीतर है जिन्हें आत्मचिंतन से ही जान पाएंगे। सुख पाने के लिए अपने चिंतन को संकीर्णता ओर नकारात्मकता के दायरे से बाहर निकाल सकारात्मक बनाना होगा। जीवन में पॉजिटिव सोच रख सुख पाना देव,शास्त्र ओर गुरू की शरण से ही संभव है। गुरू ही होता है जो शास्त्र के मर्म को हमारे मन मस्तिष्क तक पहुंचा हमारी सोच को सकारात्मक व पावन बनाता है। गुरू की उपेक्षा करके जीवन में सच्चे सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती है।

जैन धर्म कठिन और कठोर नहीं है अपितु अपने विधान से चलता है: विज्ञमति माताजी

एटा. शाबाश इंडिया

विशुद्ध भक्त परिवार द्वारा आयोजित ग्रीन गार्डन में चल रहे गणधर वलय स्त्रोत सेमिनार के तृतीय दिवस मां विशुद्ध सभागार में आज प्रज्ञा पद्मिनी पट्ट गणिनी आर्यिका 105विज्ञमति माताजी ने सेमीनार में द्वितीय काव्य एवं रिद्धि मंत्रों का उच्चारण करना सिखाया।माताजी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से सेमिनार्थियों को बताया कि आर्ष ग्रन्थों के अनुसार तीर्थंकर प्रभु सौ इंद्रों से वंदनीयहै जिनमें प्रमुख चक्रवर्ती, देव गण, मुनि, आर्यिका, मनुष्य, तिर्यंच आदि प्राणी आते है, इस गणधर वलय स्त्रोत की ऊर्जा का कोई सानी नहीं है हम गणधरों का गुणानुवाद करते समय उनसे कामना करते हैं कि 'हे गण' हमें भी अपने गण में शामिल कर लीजिए, जहां पर गुणवानों का पूज्यों के प्रति सम्मान होता है आंखों में श्रद्धा का भाव रहता है रसना पर स्तवन ,स्तुति, संस्तवन की अनुगूंज है वही सच्चा श्रावक है , जैन साधु निर्भीक चर्या, बाईस परीषह सहने की शक्ति,संयमित जीवन और श्रेष्ठ महाव्रतों का आगमानुसार कठोर तपश्चर्या से वो स्वयं को तपाते है धन्य हैं ऐसे महान तपस्वी है। जानकारी देते हुए बबीता जैन एटा ने बताया कि जैन धर्म कठिन और कठोर नहीं है अपितु अपने संविधान के साथ चलता है ! माता जी ने कोष्ट बुद्धि ऋद्धि के बारे में बताते हुए कहा कि कोष्ठबुद्धि धारी ऋषियों ने धारणा वर्णी कर्म को धारण करने के कारण मति, श्रुति अवधि ज्ञान के साथ सकल कर्मों को तोड़कर शिव लक्ष्मी को प्राप्त कर लिया है। आर्यिका विजितमती माताजी ब्रह्मचारिणी प्रियंका दीदी अदिति दीदी का विशेष सहयोग रहा। इससे पूर्व दीप प्रज्वलन राघवेंद्र जैन, नितिन जैन एवं श्रीमती सुनीता जैन ने किया, सभागार में नरेंद्र जैन, योगेन्द्र जैन एडवोकेट, मुनेन्द्र जैन, गोल्डी जैन, दीपक जैन, देवेंद्र जैन, सुशील जैन, अतुल जैन, शेखर जैन, आयुष जैन, रितिक जैन, हरित जैन, अर्पित जैन, श्रीमती हेमा जैन, प्रतिभा जैन, कुसुम जैन, अल्पना जैन, पल्लवी जैन, अनीता जैन, प्राची जैन, वर्षा जैन, समता जैन, प्रिया जैन, मंगेश जैन, शालिनी जैन, शोभा जैन, आदि श्रावक उपस्थित थे। **बबीता जैन एटा से प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय पर जीव दया कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान द्वारा आयोजित मानव सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ जयपुर द्वारा दिनांक 27-7-2024 शनिवार को राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय पर जीव दया कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या की गरिमामयी उपस्थिति रही। ग्रुप की ओर से संरक्षक प्रदीप छाबड़ा अध्यक्ष कैलाश चंद बिन्दायक्या, सचिव विमल प्रकाश कोठारी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र जी पाण्ड्या, दिलीप पाण्ड्या, कमल लुहाड़िया आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट संचालक मण्डल की ओर से कमल लोचन, धन कुमार लुहाड़िया, वीरेंद्र कुमार मेहता द्वारा ग्रुप के सभी पदाधिकारियों आदि का स्वागत व सम्मान किया। कमल लोचन द्वारा जीव दया के बारे विस्तार से बताया गया । जीव दया के लिए और ग्रुपों व अन्य लोगों को प्रेरित करने के लिए निवेदन किया गया। ग्रुप की ओर से प्रदीप छाबड़ा द्वारा मंच संचालन किया गया। जीव दया के संचालन मण्डल का ग्रुप द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात रीजन अध्यक्ष व ग्रुप के पदाधिकारियों द्वारा स्वस्थ हुए हरे कबूतरों को बंद पिंजरे से खुले आसमान में स्वतंत्र किया। ग्रुप द्वारा जीव दया हेतु संचालक मंडल के कमल लोचन को सहायतार्थ रुपए 5100/- की राशि का चेक भेट किया गया। अन्त मे संरक्षक, अध्यक्ष, सचिव द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया।

मानव की इच्छाओं और तृष्णा का कोई अंत नहीं है: डॉ. प्रीति सुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मानव की इच्छाओं और तृष्णा का कोई अंत नहीं है एक खत्म होते ही दूसरी दूसरी जागृत कर लेता है। शनिवार को पंचायती नौहरा मुखर्जी चौक जैन स्थानक मे प्रखर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा ने विशाल धर्मसभा मे श्रोताओं को संबोधित करतें हुए कहा कि इच्छाओं का कोई अंत नहीं होता है वह अनंत होती है इसलिए मनुष्य को अपनी इच्छाओं को वश मे रखना चाहिए और इच्छाओं का मोह नहीं रखेगा तभी वह सुख भोग सकता है इच्छाए और तृष्णा ही जीवन मे दुःख का कारण बनती है। इंसान क्षणभंगुर संसार में सांसारिक प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहता है। जबकि असली सुख आत्मा का होता है तभी शास्वत सुख प्राप्त कर सकता है। तप रत्नेश्वरी साध्वी सयंम सुधा ने कहा कि इसके लिए वह सदैव कामना करता रहता है वह नहीं जानता कि सुख स्वरूप तो वह स्वयं ही है यह सांसारिक सुख तो क्षणभंगुर है। व्यक्ति को इस जगत में निर्लिप्त होकर रहना चाहिए। तभी वह शाश्वत सुख व शांति प्राप्त कर पाएगा। प्रवक्ता निलिष्का जैन ने जानकारी देते हुए बताया धर्मसभा मे मावली मंगलवाड़ डूंगला, नाथद्वारा, कांकरोली आदि क्षैत्रो से पधारे अतिथियों का पंचायती नोहरा जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश चंद नागौरी,दिनेश चौरड़िया, राजेन्द्र खोखावत, प्रमोद चपलोत और महिला मंडल की बहनो ने सभी अतिथियों का शोलमाला पहनाकर स्वागत किया।

जैन धर्म के ज्ञान को फैलाएं अन्यथा यह लुप्त हो जाएगा: डॉ. नरेन्द्र भंडारी

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चेन्नई । जैन धर्म का इतिहास अद्भुत विलक्षण है सम्पूर्ण विश्व में फैला हुआ है शनिवार एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुमार्सार्थ विराजित युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज के सान्निध्य में चंद्रयान मिशन के सहयोगी वैज्ञानिक डॉ.नरेन्द्र भंडारी ने आयोजित विशाल धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को जैन धर्म के गौरवशाली इतिहास के बारे मे जानकारी बताते हुए कहा कि हम साधु- संतों के सामने नतमस्तक होते हैं। इनमें संयम, जप-तप, मार्गदर्शन आदि है। एक विशेष कारण यह है कि जो ज्ञान महावीर स्वामी ने दिया, उसे पहले गणधरों, फिर आचार्यों ने हम तक पहुंचाया। डॉ. भंडारी ने कहा कि जैन धर्म का इतिहास विलक्षण रहा है। यह पूरे विश्व में फैला हुआ था। अध्ययन से पता चला कि साऊथ अमरीका, अफ्रीका के उत्तर क्षेत्र में भरत चक्रवती का साम्राज्य रहा है। उन देशों में जैन धर्म का अस्तित्व था। कुछ समय पहले ग्रीस में जैन दर्शन के अवशेष मिले। लेकिन धीरे-धीरे यह गौरवमयी इतिहास क्षीण होता जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि उस समय जैन धर्म उच्च शिखर पर था। पूरा विश्व जैन धर्म से प्रभावित था। ऋग्वेद में यज्ञ, अग्निकाल, प्रकृति की बात करते हैं। उपनिषद में आत्मा की बात करते हैं। उन पर अवश्य ही जैन धर्म का प्रभाव रहा है। बुद्ध और जैन धर्म तीर्थंकर महावीर के समय शिखर पर थे। बौद्ध धर्म जैन धर्म का मिश्रित धर्म है। सभी धर्म एक दूसरे से रिलेटेड ही थे। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में ज्ञान का अति महत्व है। सब धर्मों में जैन धर्म का अनुसरण ही है। हमने धर्म को जन्म से संबंधित तक सीमित कर दिया है, ऐसा नहीं है। महावीर ने सब धर्मों को समान माना है। आत्मा के अस्तित्व का संदेश उन्होंने ज्ञान द्वारा दिया था। उन्होंने

कहा यह शताब्दी जैन दर्शन की शताब्दी हो सकती है। हमें इसके लिए हमें ज्ञान को प्रमुखता देनी होगी। अहिंसा तो उसी का हिस्सा है। उन्होंने कहा आज जैनों की संख्या चिंताजनक है। अगले 40 साल बाद जैनों की संख्या घटकर मात्र एक लाख रह जाएगी। हमारे सिद्धांत, जिनवाणी, जिनके विकास करने में हजारों लाखों साल लगे, वह लुप्त हो जाएंगे। महावीर स्वामी ने पुरुषार्थ को महत्व दिया। उन्होंने कहा था भगवान है ही नहीं, तुम भी भगवान बन सकते हो। उस समय उन्होंने बड़े साहस के साथ यह बात बताई। आज समाज में सहाष्णुता नहीं है। पर्यावरण की चिंता सारे विश्व को हो रही है। परिग्रह का महत्व बहुत है लेकिन उसका प्रचार प्रसार नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा बौद्ध धर्म आज विश्व का छठवां बड़ा धर्म है। जैन धर्म 20वें स्थान में भी नहीं आता है। इसके लिए समाज को ज्ञान की तरफ आगे बढ़ना होगा। जैन धर्म में 5 ज्ञान है। सारी दुनिया श्रुतज्ञान की ओर है। हम बाकी 4 ज्ञान की ओर ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा जैन धर्म को तार्किक रूप से प्रस्तुत करना होगा। अगर ज्ञान है तो विज्ञान को भी अनुसंधान के लिए बता सकते हैं परन्तु हम इसे आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं। अगर जिनवाणी में इतना बल है तो विश्व के सारे वैज्ञानिक यहां आने चाहिए लेकिन इसके विपरित हो रहा है। हम उनके पीछे जा रहे हैं। हमें जैन धर्म को आगे बढ़ाना है। आज हम आगमों से तत्त्वार्थ निकालकर भावार्थ के साथ रख रहे हैं। विज्ञान हमारे सिद्धांत खोज रहा है लेकिन विडंबना है कि हम नहीं खोज पा रहे हैं। मथुरा में जैन दर्शन के पहली सदी से 12वीं सदी तक के अवशेष हैं। आज तक जैन धर्म के मंदिरों में काफी हेरफेर हुई है। चीन एवं मंगोलिया में भी जैन धर्म था। वहां लकड़ी की मूर्तियां मिली। पिछले कुछ सालों से जापान में काफी लोग जैन धर्म के अनुयायी बन रहे हैं लेकिन अमरीका में जैन धर्म के लोग बौद्ध धर्म की ओर विमुख हो रहे हैं। हमें विश्वस्तरीय जैन केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता है। ज्ञान, पुद्गल, जीव की थ्योरी की विज्ञान को आवश्यकता है। वे इनको लेकर संदेह में हैं। जिसका जबाब जैन आगमों में है।जैन धर्म के ज्ञान को फैलाएं अन्यथा यह लुप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा हमारे शरीर की कोशिकाएं मरती रहती है। हमारा शरीर एक तरह का श्मशान है। हम तो भोजन के बिना रह सकते हैं, लेकिन कोशिकाएं नहीं रह सकती है। मरे हुए सेल वे खा जाती है। इस प्रकार का अनुसंधान हम नहीं कर पाएंगे। हमारे धर्म के सिद्धांतों को अपनाकर दूसरे लोग नोबेल पुरस्कार तक ले जाते हैं लेकिन हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। यह उपवास की पद्धति पर जापान के वैज्ञानिक ने नोबल पुरस्कार जिता था, उसी तरह चोविहार पर शौध कर अमेरिका एवं योरोप के तीन वैज्ञानिकों ने नोबल पुरस्कार जिता था। हमें इसे प्रासंगिक बनाना पड़ेगा। विज्ञानिक तरिकों से विश्व के सामने उजागर करने की जरूरत है।

बैंक राष्ट्रीयकरण की 56वीं वर्षगांठ पर सेवानिवृत्त बैंकर्स ने किया पौधा रोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

आल इंडिया बैंक पेन्शनर्स एंड रिटायरिज कनफेडरेशन की राजस्थान शाखा द्वारा बैंकों के राष्ट्रीयकरण की 56वीं वर्षगाँठ के अवसर पर चल रहे वृक्षा रोपण कार्यक्रम के तहत इमली वाला फाटक लाइन के पास जे डी ए पार्क में फल व छायादार वृक्षों के पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक पदम जैन बिलाला सेंट्रल बैंक ने बताया की नींबू , संतरे , अमरूद , जामुन आदि फलदार पोधो के अलावा छायादार पोधे कृषि स्नातक सी आर सैपट कोषाध्यक्ष व बी एस राठौड़ की देखरेख में लगाये गये । इसके पूर्व राजस्थान प्रांत के अध्यक्ष एन के पारीक सेंट्रल बैंक व वरिष्ठ उपाध्यक्ष यूको बैंक के रामपाल ने कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद नरेश शर्मा व महिला महासमिति की प्रांतीय अध्यक्ष शकुन्तला बिंदायक्या का स्वागत किया। कार्यक्रम में आर के जैन, ललित शर्मा, मनोज शर्मा, धर्मेश शास्त्री, गोकुल मिश्रा, धर्मेंद्र दीक्षित सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारियों की वृहद् सहभागिता रही। महामंत्री आर एस मीना बैंक ऑफ इंडिया ने आज के इस पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के सामयिक आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

'हुनर' किसी डिग्री का मोहताज नहीं

पदमचंद गांधी @ 9414967294

हमारे व्यक्तित्व का परिशोधन, हमारे चिंतन का परिमार्जन और हमारी भावनाओं का परिष्कार मानवीय गौरव गरिमा का आधार है, क्योंकि परिष्कार , परिशोधन , परिमार्जन एवं पुरुषार्थ के द्वारा व्यक्ति अपने जीवन में देवत्व ,ऋषित्व ,गुरुत्व एवं अर्थ तत्व को प्राप्त कर सकता है , आत्मनिर्भर बन सकता है ' विषैले कार्बन युक्त कोयला जो प्राण घातक होता है परिष्कार से बहुमूल्य कोहिनूर हीरा बन जाता है ' जंग लगने वाला लोहा स्टील, औषधि, रसायन व मिअंट के सिक्के बन जाता है ,और नल का सामान्य पानी भी शुद्धिकरण (डिस्टलेशन प्रक्रिया)से डिस्टिल्ड वॉटर बन जाता है। अतः स्पष्ट है सामान्य व्यवहार बुद्धि के परिष्कार से तुच्छे तत्वों को महान बना दिया जाता है ' वेस्ट को बेस्ट कर दिया जाता है।

बेरोजगारी की विकट समस्या हमारे सामने खड़ी है

शिक्षा को रोजगार का साधन मान लिया है जबकि शिक्षा केवल रोजगार उन्मुख राह प्रशस्त करती है ' शिक्षा रोजगार की गारंटी नहीं है ' रोजगार तो स्वयं व्यक्ति के भीतर में हुनर के रूप में छुपा हुआ है , उसे प्रकट करना जरूरी है ' अपनी व्यावहारिक बुद्धिमता का उपयोग जरूरी है' इसके लिए नए-नए प्रयोगों द्वारा स्थानीय साधनों को उपयोग में लेकर रोजगार उत्पन्न किया जा सकता है ' ऐसे कई उदाहरण लोगों ने प्रस्तुत किए हैं जिनके द्वारा उपयोगी वस्तुओं का निर्माण हुआ है और रोजगार भी मिला है। आवश्यकता आविष्कार की जननी को चरितार्थ वाले सामान्य बुद्धि का व्यक्ति जिसके पास पर्याप्त साधन , पैसे तथा तकनीक के नहीं होते हुए भी व्यावहारिक बुद्धि (जिसे जुगाड़ कहा जाता है) की विधि द्वारा उपलब्ध साधनों से अपने हाथों की कला एवं दिमाग की परिकल्पनाओं द्वारा उपयोगी वस्तुएं तैयार कर लेता है ' अपने हुनर का प्रदर्शन करने में प्रतिभा की , दिमाग की जरूरत होती है न की किसी डिग्री की और न ही कक्षाओं के उच्च अंकों से उत्तीर्ण करने की ' वास्तव में वही शिक्षा कारगर है जो हमारे जीवन को बेहतर बनाती है तथा आत्मनिर्भरता प्रदान करती है ' महात्मा गांधी ने सदैव स्वावलंबी बनने एवं स्थानीय साधनों की उपयोगिता को महत्व दिया जिससे अधिकांश लोग आत्मनिर्भर बन सके। देखने में आता है कि छोटे-छोटे गांव के व्यक्ति आज ऐसे ऐसे कार्य कर रहे हैं जो न केवल उपयोगी वस्तुएं बना रहे हैं अपितु देश की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ एवं मजबूत करते हुए जरूरतमंदों को कम लागत पर साधन जुटाने का प्रशिक्षण भी दे रहे हैं ' मेरठ के शिवाय गांव का 63 वर्षीय राजेश मात्र आठवीं कक्षा पास है लेकिन व्यावहारिक बुद्धिमता की जुगाड़ प्रक्रिया से इको फ्रेंडली अविष्कार करके कृषि में काम आने वाले निराई गुड़ाई के उपकरण सौर ऊर्जा से तैयार किया, सौर हल बनाया ,आटा चक्की बनाई ' आज उस क्षेत्र के लोगों को वह प्रशिक्षण के माध्यम से लाभान्वित कर रहा है और साथ में आईआई टी अहमदाबाद के विद्यार्थी भी वहां पर सीखने आते हैं ' केवल मात्र पांच खाली ड्रम के प्रयोग द्वारा बायोगैस प्लांट तैयार करके गोबर गैस ऊर्जा भी उत्पादन कर ग्रामीणों को लाभान्वित कर रहा है। हुनर किसी डिग्री का मोहताज नहीं होता इसे सिद्ध करने वाला मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के अंजड़ नगर निवासी जितेंद्र भार्गव ने पुरानी कबाड़ की साइकिल को किसान पावर पंप(छिड़काव करने का यंत्र) के इंजन द्वारा इको फ्रेंडली बाइसिकल मात्र 10000 से 15000 रुपए की लागत में तैयार कर ली जो 1 लीटर पेट्रोल में 100 से 125 किलोमीटर चल सकती है ' इस प्रकार राजस्थान के बारा जिले के बमोरी कला गांव के योगेश नागर ने मात्र 20 वर्ष की उम्र में ट्रैक्टर चलाने हेतु रिमोट कंट्रोल उपकरण तैयार कर लिया अब वही योगेश इंदौर में बीटेक विद्यार्थी के रूप में अध्यनरत है और भारतीय सेना वाले टैंक को चलाने के लिए रिमोट कंट्रोल उपकरण बनाने का प्रयास कर रहा है ' अपनी रचनात्मक प्रवृत्ति के कारण ही चंडीगढ़ के रंजीत रंधावा ने बम कूट मोटर बाइक दूध के डोल से पेट्रोल टैंक , मारुति 800 के इंजन तथा एक एग्जॉस्ट फैन द्वारा तैयार कर नाम रोशन किया है। व्यवहारिक बुद्धिमत्ता के कारण ही आज हुनरमंद नागरिक अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं ' जो लोगों के लिए न केवल कारगर है वरन किफायती एवं उपयोगी भी सिद्ध हो रहे हैं ' अतः युवा अपने हुनर को उपयोगी बनाकर राष्ट्रहित के लिए मददगार बनने का संकल्प करें ऐसी सोचवृत्ति से रोजगार तो उत्पन्न होगा ही इसके साथ-साथ आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी और बेरोजगारी की समस्या भी हल होगी।

> शिक्षा को रोजगार का साधन मान लिया है जबकि शिक्षा केवल रोजगार उन्मुख राह प्रशस्त करती है ' शिक्षा रोजगार की गारंटी नहीं है ' रोजगार तो स्वयं व्यक्ति के भीतर में हुनर के रूप में छुपा हुआ है , उसे प्रकट करना जरूरी है। अपनी व्यावहारिक बुद्धिमता का उपयोग जरूरी है...

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के 31 सदस्यों का दल धार्मिक यात्रा पर रवाना

जिन दर्शन यात्रा एवं भ्रमण कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन, जयपुर के 31 सदस्यों का एक दल आज शनिवार को दो दिवसीय जिन दर्शन यात्रा एवं भ्रमण के लिए वातानुकूलित बस द्वारा अतिशय क्षेत्र बोलखेडा की वन्दना के लिए भट्टारक जी की नसियां से प्रस्थान किया। ग्रुप के मंत्री हीरा चन्द बैद ने बताया कि यह दल अतिशय क्षेत्र भुसावर के दर्शन करके 108 मुनि श्री युधिष्ठिर सागर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेगा। ग्रुप के अध्यक्ष धनु कुमार जैन के अनुसार भुसावर से भरतपुर जिले में ही स्थित जम्मू स्वामी की तपस्थली बोलखेडा पंहूच कर सायंकालीन आरती के पश्चात भक्ति का आयोजन किया जायेगा। रात्रि में विभिन्न सांस्कृतिक एवं मंनोरंजन के कार्यक्रम में सभी सदस्य अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। रात्रि विश्राम भी बोलखेडा में ही करेंगें। ग्रुप के कोषाध्यक्ष व विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजक प्रदीप कुमार जैन (एल पी जी) वाले ने बताया कि रविवार को प्रातः बोलखेडा में भगवान की प्रक्षाल पूजा करके डीग, कामा, कुम्हैर स्थित जैन मन्दिरों की वन्दना कर व पर्यटक स्थलों का भ्रमण करते हुए भरतपुर व बसवा के काला बाबा के दर्शन कर रविवार को रात्रि में जयपुर पहुंचे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्रावक-श्राविकाओं ने सर्वमंगल की कामना के साथ किया सजोड़ा पैसठिया छंद का जाप

पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में साध्वी कंचनकंवरजी के सानिध्य में तीन दिवसीय समारोह का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वातावरण में परमात्मा की स्तुति के साथ श्लोकों के माध्यम से सर्व मंगल ओर कल्याण की कामना हो रही थी। श्रावक-श्राविकाएं निर्धारित ड्रेस कोड में सजोड़ा पैसठिया छंद का जाप कर तीर्थंकरों की भक्ति कर रहे थे। ये नजारा शनिवार सुबह पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में तीन दिवसीय समारोह के पहले दिन श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में आयोजित सजोड़ा पैसठिया छंद के जाप में दिखा। जाप में शामिल होने के लिए बापूनगर ही नहीं बल्कि भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाएं सजोड़ा पहुंचे थे। इस जाप के माध्यम से सर्व सुख ओर शांति की मंगलकामना की गई। सजोड़ा जाप में शामिल श्रावक श्वेत वस्त्रों में ओर श्राविकाएं चुंदड़ धारण किए हुए थी। जाप के बाद पूज्य कंचनकंवरजी म.सा. ने सभी के लिए मंगलभावनाएं व्यक्त की। जाप में प्रखर वक्ता साध्वी डॉ.सुलोचनाश्री म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्नोत ने जाप में शामिल होकर सफल बनाने पर आभार जताया। जाप को सफल बनाने में बापूनगर श्रीसंघ, श्री पार्श्वनाथ नवयुवक मण्डल सेवा समिति, श्री चंदनबाला महिला मण्डल, श्री बसंत बालिका मण्डल के पदाधिकारियों व सदस्यों ने भी अहम भूमिका निभाई। सजोड़ा जाप की प्रभावना के लाभार्थी मनोहरलाल,नरेन्द्र, प्रफुल्ल मेहता परिवार रहा। **कल सामूहिक एकासन एवं सोमवार को गुणानुवाद सभा:** बापूनगर श्रीसंघ के सरंक्षक लादूलाल बोहरा ने बताया कि पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में तीन दिवसीय समारोह के तहत दूसरे दिन 28 जुलाई रविवार को एकासन दिवस मनाया जाएगा। सुबह 9 बजे महासाध्वी कंचनकंवरजी म.सा. के सानिध्य में प्रवचन होंगे। दोपहर 12.15 बजे महावीर भवन में सामूहिक एकासन का आयोजन होगा जिसके लाभार्थी चंचलमल, ललितकुमार, सुनीलकुमार कर्णावट परिवार रहेगा। तीन दिवसीय समारोह के अंतिम दिन सोमवार को सुबह 9 बजे से महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में गुणानुवाद सभा का आयोजन कर पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. के प्रति भाव अभिव्यक्ति की जाएगी।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा सावेर रोड पर पौधरोपण किया गया

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

इंदौर। महावीर इंटरनेशनल द्वारा इंदौर से 30km दूर सावेर रोड पर वीरा शीतल भंडारी के फॉर्महाउस पर पौधरोपण किया गया। विश्व में विनाशकारी भौतिक उपलब्धियों के कारण प्रकृति में प्रदूषण भी अपने चरम सीमा पर है। वनस्पति, प्राणी जगत और मानव के लिए यह प्रदूषण अत्यंत घातक है। आने वाली पीढ़ियों का जीवन नर्क होता जा रहा है। उपभोक्तावादी संस्कृति, व्यापारिक वर्चस्व की लड़ाई और अनेक कारणों से धरती के जीवन समूल को ही यह पर्यावरण प्रदूषण नष्ट कर रहा है। प्लास्टिक, रसायन पदार्थ, फैक्ट्रियों से निकलने वाला काला विषैला धुंआ, उनमें से निकलने वाला गंदा पानी, बढ़ती वाहन संख्या और निकलने वाला धुंआ, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, बढ़ता हुआ जंगल, खाली होती हुई लंबी चौड़ी सड़कें, अंतरिक्ष उड़ानों की अंधी दौड़ और जीव हत्या आदि आधुनिक मानवीय गतिविधियां पर्यावरण की दुश्मन है।जो पूरा सिस्टम ही निरूपित कर रहे हैं। ऐसे समय में पर्यावरण को बचाना हम सब का नैतिक दायित्व है। विचार पौधरोपण कार्यक्रम में प्रदीप टोंग्या ने व्यक्त किए। पेड़ लगाओ, धरती बचाओ-जहां है हरियाली, वहां है खुशहाली कुछ ऐसे ही नारों के साथ अभियान की इस सीजन में शुरूआत अनीता टोंग्या ने की । महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन की ओर से हुए इस आयोजन में विभिन्न प्रजातियों के 235 पौधे रोपे गए। सभी ने इनके संरक्षण की शपथ ली और हरियाली का संदेश दिया।

राजस्थान विश्वविद्यालय में एथलेटिक्स ऑफिशियेटिंग कार्यशाला का समापन..भारतीय एथलीटों को किया चीयर्स

जयपुर. शाबाश इंडिया

पेरिस ओल्मपिक 2024 के अवसर पर खेल बोर्ड राजस्थान विश्वविद्यालय आयोजित एथलेटिक्स ऑफिशियेटिंग पर कार्यशाला समापन। इस अवसर पर डॉ. प्रीति शर्मा संयोजक एवं सचिव, खेल बोर्ड ने बताया की एक्सपर्ट डॉ. राजन भाटिया व डॉ.दलबीर सिंह कौतेंया द्वारा सभी खिलाडियों एवं प्रतिभागियों को एथलेटिक्स ट्रेक एंड फील्ड पर प्रायोगिकी प्रशिक्षण दिया गया और फील्ड पर होने वाले इवेंट जैसे थ्रोइंग (ज्वेलियन,शॉटपुट, डिस्कस थ्रो,हेम्मर थ्रों) एवं जम्पिंग इवेंट (लम्बी कूद, ट्रिप्पल कूद, ऊंची कूद एवं बांस कूद) की ऑफिशियेटिंग के बारे में बताया और ट्रेक पर होने वाले मध्यम एवं लम्बी दूरी की होने वाली रनिंग इवेंट (100,200,400, 800,1500 मी.हर्डल इत्यादि) पर होने वाली ऑफिशियेटिंग के बारे में प्रशिक्षण दिया। देवेन्द्र झाझड़िया अध्यक्ष भारतीय पैरालम्पिक समिति पद्म भूषण एवं पद्मश्री अवार्डी ने कहा ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए । जुनून और मेहनत खिलाड़ी को चैंपियन बनाता है। जूनून और मेहनत आपको चैंपियन बनाता है। किसी भी उम्र में मेडल जीत सकते है पूरे फोकस के साथ प्रैक्टिस करनी चाहिए। कुलपति प्रो अल्पना कटेजा ने प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।आयोजन सचिव सुरेन्द्र मीणा, सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा एवं सह-आयोजन सचिव डॉ. शैलेष मौर्य सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा व एक्पर्ट्स ने समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदत्त किये गए।

जेकेके में साकार हुई बाघों की दुनिया

छठे जेटीएफ में टाइगर के करीब पहुंचे लोग, अलंकार गैलरी में साकार हुआ जंगल, इंटरनेशनल टाइगर डे के मद्देनजर हो रहा है कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

इंटरनेशनल टाइगर डे के मद्देनजर राजस्थान हेरिटेज, आर्ट एंड कल्चरल फाउंडेशन की ओर से जवाहर कला केन्द्र में आयोजित छठे जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) का शनिवार को उद्घाटन हुआ। गेस्ट ऑफ ऑनर पवन अरोड़ा, सीईओ फर्स्ट इंडिया, डॉ. एस.एस. अग्रवाल चेयरमैन जोधपुर, एम्स, विश्व विख्यात वाइल्ड लाइफ फिल्म मेकर और 5 बार के प्रेसिडेंट अवॉर्ड विजेता एस. नल्लामुथु, पूर्व मुख्य सचिव राजीव स्वरूप, फेस्टिवल के फाउंडर पेट्रन धीरेन्द्र के गोधा ने दीप जलाकर फेस्टिवल की शुरूआत की। फेस्टिवल के अंतर्गत अलंकार गैलरी में देश-दुनिया के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स की 200 से अधिक फोटो की प्रदर्शनी लगाई गयी है। फेस्टिवल को लेकर लोगों में उत्साह पहले दिन ही देखते ही बना। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने प्रदर्शनी विजिट की और बाघों की जिंदगी को करीब से देखा। इस दौरान आईएफएस संग्राम सिंह, सरिस्का टाइगर फाउंडेशन के फाउंडर सेक्रेटरी दिनेश दुरार्नी, रणथंभौर के प्रसिद्ध चित्रकार मुरलीधर पाराशर, नेशनल नेचर सोसाइटी के फाउंडर राजकुमार चौहान आदि गणमान्य भी मौजूद रहे।

जंगल में बाघों के करीब पहुंचे टाइगर लवर्स

सबसे खास बात यह है कि जेटीएफ के दौरान अलंकार गैलरी में बाघों की दुनिया साकार हुई। पहली बार बाघों से जुड़े किसी आयोजन में वीआर तकनीक का प्रयोग कर वन्यजीव प्रेमियों को बाघों की दुनिया में भेजा गया। लोगों ने वीआर शो में जंगल में बाघों की अठखेलियों को देखा और सुखद अनुभव प्राप्त किया। इसी के साथ फेस्टिवल में लाइव टाइगर पेंटिंग, टाइगर स्टोरी, मूवी स्क्रीनिंग, पोस्टल स्टाम्प एग्जीबिशन आदि एक्टिविटी भी की जा रही है।

'टाइगर के साथ जंगल और नेचर रहेंगे सुरक्षित'

जेटीएफ के फाउंडर पेट्रन धीरेन्द्र के गोधा ने बताया कि फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य टाइगर के विषय में जागरुकता

फैलाना है जिससे जंगल, जानवर, पर्यावरण सभी सुरक्षित रहे। पहली बार जंगल का लाइव एक्सपीरियंस देने के लिए पीवीआर तकनीक का प्रयोग यहां किया गया। जेटीएफ अध्यक्ष संजय खवाड़ ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी जेटीएफ वन्यजीव प्रेमियों को सुनहरे और सुखद अनुभव प्रदान करेगा। सचिव आनंद अग्रवाल ने बताया कि बड़ी संख्या में बच्चे टाइगर से जुड़े इसलिए स्कूली बच्चों को आमंत्रित किया गया है।

टाइगर टेल्स' पर विचार रखेंगे एक्सपर्ट्स

29 जुलाई इंटरनेशनल टाइगर डे पर शाम पांच बजे 'टाइगर टेल्स' टॉक शो होगा। इसमें 5 बार के प्रेसिडेंट अवॉर्ड विजेता और विश्व विख्यात वाइल्ड लाइफ फिल्म मेकर एस. नल्लामुथु, टाइगर मैन के नाम से प्रसिद्ध दौलत सिंह शक्तावत, महाराष्ट्र ईको टूरिज्म बोर्ड की गवर्निंग काउंसिल के मेंबर और स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड के पूर्व सदस्य सुनील मेहता और मध्य प्रदेश के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर मनीष कालानी (जिन्होंने बाघिन मछली की फैमिली ट्री पर किताब लिखी है), विचार रखेंगे। गौरतलब है कि डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने जेटीएफ का पोस्टर लॉन्च किया था और बाघ संरक्षण की दिशा में ऐसे आयोजन को बहुत महत्वपूर्ण बताया था।

लोक गीतों के सुरो में सावन की फुहारों का आनंद

नेट थिएट पर दीपशिखा ने लोकगीतों से किया लोगों को मंत्रमुग्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की विख्यात गायिका दीपशिखा जैन ने नेट थिएट पर अपनी मधुर आवाज में लोकगीत एवं भजन के स्वर छेड़े तो बादल गरज उठे और सावन की फुहारों से संगीत रसिको को मंत्रमुग्ध किया। नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की दीपशिखा ने टूटे बाजूबंद री लूम लड़ उलझी उलझी जाए को सुनाकर राजस्थानी संस्कृति के रंग बिखरे। इसके बाद राजस्थान के प्रसिद्ध लोकगीत इन लहरिये रा नौ सौ रुपिया रोकड़ा और म्हारी दोरानिया जेठानिया रूठ गी रे म्हारा सासु जी मनवा ना आय बनी सा रुस गी रे झट चौमासो लागयो रे साथ ही खड़ी नीम के

नीचे में तो एक ली गीत गाया तो सावन की फुहारो का आनंद मन को प्रफुल्लित कर गया। इसके बाद दीपशिखा ने अपने मधुर कंठ से भजन आज वृंदावन रास रचो है मैं भी देखने जाऊंगी और थाने काई काई कह समझावां म्हारा सांवरा गिरधारी सुना कर भगवान को रिझाया। तबले पर नवल डांगी ने अपने उंगलियों का ऐसा जादू बिखेरा की लौग वाह वाह कर उठे। सिंथेसाइजर पर पवन बालोदिया और गिटार पर गौरव भट्ट ने सरदार संगतकर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम में कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल और मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू, वीरेंद्र सिंह राठौड़ और जिवतेश शर्मा की रही ।

गीत गाता चल ग्रुप के कराओके सिंगिंग प्रोग्राम को खूब पसंद किया श्रोताओं ने

गीत गाता चल ग्रुप के कराओके सिंगिंग प्रोग्राम को खूब पसंद किया श्रोताओं ने

जयपुर. शाबाश इंडिया

गायक कलाकारों के समुह गीत गाता चल ग्रुप की ओर से शुक्रवार 26 जुलाई को रात 7.15 बजे से कराओके सिंगिंग कार्यक्रम का आयोजन दुर्गापुरा क्षेत्र में स्थित बयान एलिगेंसी होटल के ताराजी कैटरर्स बैंक्विट हॉल में किया गया। आयोजन के मुख्य समन्वयक राकेश नीलू गोधा एवं समन्वयक लोकेश शीला पुरोहित व सतीश नीलिमा काला ने बताया कि इस आयोजन में 22 गायक कलाकार बॉलीवुड के गानों को दर्शकों के समक्ष लाइव प्रस्तुत किया। शुरूआत मुकेश पारीक के गीत से हुई और उसके बाद हसीं खुशी की बातों और कलाकारों के व्यवहारिक और सटीक परिचय की शानदार कड़ी ने श्रोताओं को ऐसे बांध कर रखा कि, पता ही नहीं चला कब 10.30 बज गए। आयोजन में राकेश गोधा, लोकेश पुरोहित भूषण शर्मा पारीक, जितेंद्र भारद्वाज, कमल जैन छाजेड़, ममता वर्मा, ममता जैन, पिंकी देबाना, प्रणव पारीक, प्रवीण कुमार जैन नेपाल, पूनम शर्मा, रिया जैन गोधा, संजय जैन गोधा, इशान जैन शाह, सपना पाठक, संसार सेठी, विनेहा प्रीति पुरोहित और योगेश गोधा व बांसुरी पर उम्दा प्रस्तुति देने वाले संजय माथुर के साथ मेहमान कलाकार टोंक से आए जज दीपेंद्र माथुर और विक्रम शर्मा व गिरधर पारीक ने अपने शानदार नगमों से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। हर गीत पर खूब तालियों की गगड़ाहट हुई। इस आयोजन का फेसबुक पर सीधा प्रसारण भी किया गया। आयोजन में सहयोगी मनीष श्वेता जैन ने फिल्मी गीतों के इस आयोजन में सभी की खूब आवभगत की, स्वागत सत्कार किया।

नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हनुमानगढ़ के आदेशानुसार नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता के तहत आज र ऊस्कूल रावतसर में ₹मानस निबंध लेखन प्रतियोगिता 2024₹ का आयोजन किया जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी के आदेशानुसार तीन वर्ग बनाए गये प्रथम वर्ग में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थी, द्वितीय वर्ग में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी, तृतीय वर्ग में अध्यापकों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे शाला के सभी विद्यार्थियों और शिक्षकगणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशे के प्रति अपने विचार निबंध के माध्यम से प्रकट किऐ संस्था प्रधान रामप्रताप रिवाड़ ने प्रार्थना सभा में आज भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए उनके विचार विद्यार्थियों के साथ सांझा किए और आज के समय में बढ़ते हुए नशे के दुष्परिणाम पर विस्तार से बच्चों को बताया साथ ही हिन्दी व्याख्याता हनुमान सिंह ने भी आज के इस युग में हाईटेक नशे के विभिन्न प्रकार व किस तरह से समाज व विषेश कर युवाओं को अपने प्रभाव में जकड़ रहा हैं व नशे के घातक दुष्परिणाम बताते हुए सभी को नशे से दूर रहने के लिए भी प्रेरित किया इस अवसर पर व्यवस्थापक आत्माराम जांगिड़ व्याख्याता आदराम,प्रभुराम, जगतार सिंह, नत्थूराम,मुकेश सिंह, जयप्रकाश, मुकेश सैनी, प्रमोद कुमार शिक्षकों की उपस्थिति रही।

महिला जागृति संघ के दल ने अयोध्या के दर्शन किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला जागृति संघ का दल जिसका नेतृत्व संघपति शशि जैन ,उपाध्यक्ष साधना सोनी राजकुमारी सोगानी ,मंत्री बेला जैन, संयुक्त मंत्री साधना जैन, निर्मला जैन कर रही है, यह दल अयोध्या में सभी मंदिरों के दर्शन का लाभ लेकर तथा श्रावस्ती के दर्शन कर वापस अयोध्या लोटा। संघ की सभी महिला सदस्यों ने लहरिया पहनकर ज्ञानमती माताजी एवं सभी माताजी के दर्शन का लाभ लिया एवं लहरिया उत्सव मनाया तत्पश्चात यह 135 सदस्य दल बनारस के लिए रवाना हुआ। यह दल दिनांक 30 जुलाई को जयपुर पहुंचेगा। उक्त जानकारी नरेंद्र जैन बाकलीवाल ने दी ।

पेरिस में इंडिया हाउस के उद्घाटन पर नीता अंबानी ने ओलंपिक भारत लाने की वकालत की

इंडिया हाउस भारत की ओलंपिक आकांक्षाओं का प्रतीक है- नीता अंबानी

मुंबई/ पेरिस. शाबाश इंडिया

ओलंपिक की शानदार शुरूआत के एक दिन बाद, पेरिस में भारत के पहले कंट्री हाउस यानी इंडिया हाउस का उद्घाटन हुआ। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता एम अंबानी ने पारंपरिक भारतीय तरीके से दीप प्रज्वलित करके इंडिया हाउस को शुरूआत की। उद्घाटन समारोह में देश विदेश के मेहमान, आईओसी अधिकारी और भारत की मशहूर हस्तियां शामिल थी। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में आईओसी समिति के सदस्य सेर मियांग एनजी, भारतीय ओलंपिक संघ की प्रेसिडेंट पी.टी. उषा, फ्रांस में भारत के राजदूत जावेद अशरफ, बीसीसीआई के जय शाह, और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा शामिल रहे। इस मौके पर आईओसी सदस्या नीता अंबानी ने ओलंपिक को भारत लाने की खुलकर वकालत की, ओलंपिक के इतिहास में पहली बार बने इंडिया-हाउस में आपका स्वागत है। आज हम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में हम एक नया सपना देख रहे हैं, एक ऐसा सपना जो 1.4 अरब भारतीयों का है। भारत को ओलंपिक में लाने का और ओलंपिक को भारत में लाने का, एक साझा सपना। अब समय आ गया है कि एथेंस में पहली बार जलाई गई ओलंपिक ज्योति हमारी प्राचीन भूमि भारत में भी प्रज्वलित हो। वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। इंडिया हाउस के उद्घाटन पर यह हमारा सामूहिक संकल्प है। इंडिया हाउस के महत्व पर श्रीमती अंबानी ने कहा, इंडिया हाउस को भारत की ओलंपिक आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। हम आशा करते हैं कि हमारे एथलीटों के लिए यह घर से दूर एक घर बन जाए, एक ऐसी जगह जहाँ हम उनका सम्मान करें, उनके जज्बे को सलाम करें और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएं। इंडिया हाउस आखिरी मंजिल नहीं है, यह भारत के लिए एक नई शुरूआत है। इंडिया हाउस में हम दुनिया का स्वागत करते हैं, ताकि वे पेरिस के हृदय में भारत की सुंदरता, विविधता और समृद्ध विरासत का अनुभव कर सकें। इंडिया हाउस के उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड गायक शान ने अपनी गायकी से समां बांध दिया। उनके बॉलीवुड गानों पर दर्शक खुल कर झूमे। आगंतुकों का स्वागत ढोल की थाप के साथ किया गया। इसके बाद मुंबई के दृष्टिहीन बच्चों ने पारंपरिक भारतीय खेल मल्लखंभ का शानदार प्रदर्शन किया। इंडिया हाउस पार्क ऑफ नेशंस में पार्क डे ला विलेट में स्थित है और 27 जुलाई से 11 अगस्त तक ओलंपिक खेलों के दौरान स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

स्वाध्याय मनुष्य के अन्तर्मन को निर्मल कर देने की शक्ति रखता है: आर्यिकारत्न नंदीश्वर मति माताजी

नावा सिटी में चातुर्मास के दौरान दिगंबर जैन मंदिर में हो रहे हैं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी। उपखंड मुख्यालय पर दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिकारत्न गुरु मां नंदीश्वर मति माताजी के ससंघ चातुर्मास के तहत चल रहे कार्यक्रमों के तहत शनिवार को आयोजित धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए पूज्यनिय गुरु मां नंदीश्वर मति माताजी ने कहा की मनुष्य पर जब विपत्ति आती है और वह दुखी होता है तभी उसे भगवान की याद आती है, दुख में तो हर कोई भगवान को याद करता है मगर जीवन में सुख हो तो भी हमें भगवान का स्मरण नित्य प्रति करना चाहिए। भगवान की पूजा निस्वार्थ भाव से करनी चाहिए और जीवन में जो भी मिलता है, उसे भगवान की कृपा मानकर संतुष्ट रहना चाहिए, तभी मन शांत रहता है। निस्वार्थ भाव से की गई पूजा ही श्रेष्ठ मानी जाती है। प्रभु भक्ति और प्रभु के प्रति समर्पण होने से ही पूर्णता प्राप्त होती है। जब भक्ति जैसे जैसे प्रगाढ़ होती जाती है तो वैसे वैसे ही समर्पण भाव बड़ना भी जरूरी है । अगर सही रूप से भक्ति की है तो अवश्य समर्पण भाव आएगा ही।माताजी ने कहा की जीवन में स्वाध्याय का होना भी आवश्यक है, स्वाध्याय से जहाँ ज्ञान में वृद्धि होती है, वही मन में महानता, आचरण में पवित्रता तथा आत्मा में प्रकाश उत्पन्न होता है । स्वाध्याय मनुष्य के अन्तर्मन को निर्मल कर देने की शक्ति रखता है । जैन समाज चातुर्मास कमेटी संयोजक विमल कुमार गंगवाल ने बताया कि चातुर्मास के दौरान जैन समाज द्वारा प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रातः 6:00 बजे अभिषेक, शांतिधारा, प्रक्षालन के साथ नित्य नियम पूजन की जा रही है ' प्रातः 6:30 बजे से श्री 1008 जिनेन्द्र भगवान के श्री जिन सहस्त्र नाम के जाप का आयोजन किया जा रहा है ' उसके पश्चात प्रातः 8:15बजे से गुरु मां नंदीश्वर मति माताजी के मुखारविंद से प्रवचन दिए जा रहे हैं जिसके माध्यम से बडी.ही अच्छी धर्म प्रभावना हो रही है ' संयोजक गंगवाल ने बताया कि प्रातः 9:30बजे माताजी की आहार चर्या उसके पश्चात माताजी द्वारा दोपहर 3 से 4 बजे तक रयणसार ग्रंथ का स्वाध्याय करवाया जा रहा है। सांय 7:30बजे से श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक आचार्य श्री एवं माताजी की आरती की जा रही है उसके तत्पश्चात गुरुभक्ति, प्रश्न मंच एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। गंगवाल ने बताया कि सकल दिगंबर जैन समाज नावा सिटी द्वारा सभी कार्यक्रम माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित किए जा रहे हैं।